

‘सीमा मुक्त शिक्षा संबन्धी प्रेस नोट’

बेंगलूर स्थित माइण्डलोजिक्स इंफोटेक लिमिटेड ने एक समग्र तकनीकी केन्द्र की शुरुवात की है जिसका नाम है माइण्डस्पेस जो कि विश्वविद्यालय के शिक्षण और पशासनिक जीव चक्रों को संपूर्णतः स्वचालित करता है। यह समाधान दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रमों के लिए सर्वोत्तम है जो सीमा से अधिक सोच सकते हश। पांम्परिक रूप से, दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रम संकित सामग्रियों और संपर्क कार्यक्रमों पर निर्भर करती हश। तथा इनकी पहुँच जिस भौगोलिक क्षेत्र में विश्वविद्यालय स्थित होते हैं केवल वही तक होती है। इसके द्वारा विश्वविद्यालय भौगोलिक सीमाओं के आगे भी जा सकते हैं। यह व्यवस्था विश्वविद्यालय को संपूर्णतः कार्यक्रम को तथा सलाह, प्रवेश कोर्स प्रबंधन, शुल्क प्रबंधन, सामग्री आनलाइन माध्यम आदि जैसे विभिन्न कार्यों को आनलाइन संचालित करने में सक्षम है। इसके साथ ही विश्वविद्यालय यदि चाहे तो प्रमाण पत्र छाप कर तथा उसे परीक्षा केन्द्र में पहुँचाने की सुविधा भी उपलब्ध कराता है। इसमें केवल ३० मिनट लगते हैं। वेब आधारित व्यवस्था विश्वविद्यालय प्रशासन और महाविद्यालय अथवा शिक्षा केन्द्रों को निश्चित सामग्री प्रेषण और परीक्षाओं तथा उनके संपूर्णतः आनलाइन आयोजन दोनों की सुविधा उपलब्ध कराता है।

श्री एन सोमासुन्दरम, वरिष्ठ उप राष्ट्रपति –प्रोडक्ट इंजीनियरिंग, के अनुसार, ‘साधारणतः शिक्षा प्रणाली दो स्तंभों पर आधारित है – एक है शिक्षा प्रेषण और दूसरी है प्रेषित शिक्षा की उपलब्धता। इसी को ध्यान में रखते हुए हमने ‘वेद’ नामक आविष्कारक तकनीक का निर्माण किया है। जिसका अर्थ है ‘वरचूल्ड एडयूकेशन डिलिवरी एण्ड एससमेंट सिस्टम’ और अपने नाम के स्वरूप, यह दोनों शिक्षा प्रेषण और उपलब्धता का ध्यान आनलाइन रखता है। वे आगे कहते हैं कि अन्य सभी सेवाएँ जैसे आनलाइन भुगतान, डिजिटल पुस्तकालय, स्व-निर्धारण, हाल-टिकिट को आनलाइन उपलब्ध करना, इ-ट्रांसक्रिप्ट्स आदि को भी इसी व्यवस्था में सम्मिलित किया गया है। इस व्यवस्था में अंतर्निर्मित सूचना है तथा यह प्रयोगकर्ताओं को अपनी योग्यता को सही अवधि माध्यम से मापने की सुविधा प्रदान करता है।

शैक्षणिक क्षेत्र में लंबी अवधि तक अनुसंधान कार्य करने के बाद माइण्डलोजिक्स इंफोटेक लिमिटेड ने माइण्डस्पेस का निर्माण किया है और प्रयोगकर्ताओं के लिए उसमें कई मनोरंजक तत्व हैं जैसे कि लर्निंग पाथ जिसके द्वारा व्यक्ति अपनी क्षमता को माप सकता है और इसी प्रकार विश्व भर में फैले प्रयोगकर्ताओं के साथ अपनी क्षमताओं को आँक सकता है और निश्चिततः यह व्यवस्था छात्रों को अपनी क्षमता संश्लेषण और क्षमता का पूर्वानुमान करने की सुविधा उपलब्ध कराता है। यह समाधान विशाल विश्वविद्यालय और कोरपोरेट के लिए कार्यावित होते हैं जिन्हें वितरित शैक्षणिक प्लेटफर्म स्थापित करने में इसकी आवश्यकता होती है क्योंकि यह उनके लिए मुख्यतः कम मूल्य की और सुलभ होती है।

यदि ग्राहक व्यवस्था का उपयोग करना चाहता है तो उसे केवल कंपनी के साथ संपर्क करना होगा और बाकी बातों का ध्यान कंपनी रखती है। संपूर्ण सेवा, मैनेजड एप्लीकेशन सर्विस(एम ए एस) द्वारा उपलब्ध कराई जाती है। साफ्टवेयर, हार्डवेयर, संबंधता, बैंक-अप आवश्यकताएँ और संकट प्रबंधन की सुविधा भी कंपनी ही करती है। इस प्रकार ग्राहक को केवल शैक्षणिक प्रशासन पर ध्यान देना होता है। संबंध विश्व में, बिना झंझट के, सरल, शक्तिशाली और प्रयोग के लिए तैयार समाधान के अतिरिक्त व्यक्ति और किसकी अपेक्षा कर सकता है? व्यापारिक ढाँचे इस प्रकार से निर्मित किया गया है जिसके द्वारा कंपनी राजस्व भागीदारी से अपने ग्राहकों के साथ संपर्क को पुष्ट कर सकती है। व्यापारिक ढाँचे के अंतर्गत, ग्राहकों को परियोजना में लागत करने की आवश्यकता नहीं है। उन्हें केवल ऐसे छात्र जो इस सेवा का उपयोग करते हैं, उनसे ली गई शुल्क का एक निश्चित प्रतिशत भाग कंपनी को देना पड़ता है। श्री सोमासुन्दरम ने आगे कहा, ‘सामान्यतः ग्राहकों को दोने प्रकार की सुविधाएँ

प्राप्त होती है- अपने प्रयोग के लिए विश्व स्तरीय व्यवस्था तथा अपने अस्तित्व को बढने के लिए सीमाओ को पार करने की । परिणामस्वरुप अधिक राजस्व की प्राप्ति होती है'.

अधिक जानकारी के लिए कंपनी से संपर्क किया जा सकता है